स्वदेशी अर्थशास्त्रम्

SWADESHI ARTHSHASTRAM

A FORTNIGHTLY NEWSLETTER 01st to 15th July, 2025

Economics & more...

Special Article

Environmental Issues and Movement in India

-By Dr. Amit Kumar

Environment as issue as become an important aspect nowadays. The intervention of human being has played a key role in facing environmental issue. There are various scholars who have specific context in regard to the issue of environment. Some environmentalist believes that the environmental issues have develop since the colonial rule. This movement has taken a turn as the imperial powers just for the sake of their material gains exploited the natural resources.

Read More...

News at a glance...

SIP inflow crosses Rs 27K crore-mark in June
Read more...

PPP gets a leg up, Rs 86,000-crore projects approved since January
Read more...

$1.3 trillion intergenerational transfer in India within a decade
Read more...

India backs BRICS statement, 'grave concern' over strikes against Iran
Read more...

Agentic AI startups tap growing consumer demand
Read more...

NHAI targets to award Rs 62,125-cr worth road projects under BoT this fiscal
Read more...

CII projects India's FY26 GDP growth at 6.4–6.7%, warns of global risks
Read more...

Research Article

परंपरागत ज्ञान, आधुनिक विकास और राजनीति : भारत में मिट्टीकला (कुम्हार का ज्ञान) -By Dr. Amit Kumar

प्रस्तुत लेख समकालीन समय में 'विकास के ज्ञान के सहभागी लोकतंत्रीय' पक्ष/आयाम को परिलक्षित करने की एक कोशिश/समझ से है. हालांकि विकास के ज्ञान को परिभाषित करने के बहुत से आयाम रहे है, जिसमें विकास को विभिन्न तरह से विवेचित किया जाता रहा है. विकास का संबंध अपने आप में ज्ञान से भी जुड़ा रहा है अर्थात् आधुनिक समय में विकास की अवधारणा की पहचान ज्ञान के सशक्त व उन्नत रूप से की जाती है. यद्यपि ज्ञान और विकास को जिस तरह आज एक साथ जोड़कर देखा जा रहा है उसमें 'राजनीतिक पक्ष' की एक महत्वपूर्ण भूमिका भी रही है. .

Read More...

More Updates

India's forex reserves rise by $4.8 to $702.78 billion after last week's dip
Read more...

Agriculture exports to grow fivefold to Rs 20 lakh crore: Piyush Goyal
Read more...

India seeks to impose $3.83 bn worth of extra duties on US steel, aluminium
Read more...

ICapex loan release faster this year, states get Rs 30,000 crore
Read more...

Govt rolls out Rs 500 crore incentive scheme for e-trucks
Read more...

Success Story

श्रीमान भावेश भाटिया - सनराइज कैंडल्स : एक दृष्टिहीन व्यक्ति ने खड़ा किया करोड़ का व्यवसाय।

महाबलेश्वर में रहने वाले श्री भावेश भाटिया न केवल भारत में परंतु संपूर्ण विश्व में साहस एवं कर्म निष्ठा की मिसाल है। बचपन से ही एक बीमारी के चलते उन्हें न के बराबर दिखाई देता था और यह तय था कि बहुत जल्द ही धीरे-धीरे यह दृष्टि भी विलुप्त हो जाएगी। पिताजी एक दैनिक मजदूर थे इसलिए पारिवारिक स्थिति बहुत अधिक मजबूत नहीं थी। परंतु उनकी माता जी की हिम्मत करके इन्हें एक नॉर्मल स्कूल में ही पढ़ाया और स्वयं उनकी पढ़ाई लिखाई पर पूरा ध्यान देती। पर किस्मत श्री भावेश भाटिया जी के लिए बेहद कठौर थी। उनकी माता जी का भी कैंसर के चलते जल्द ही निधन हो गया। माता जी के आकासीक निधन की वजह से उनके पिताजी को भी एंजायटी की गंभीर बीमारी हो गई जिसके चलते उनका भी जल्द ही निधन हो गया।

पर उसी कठोर किस्मत ने उनके लिए कुछ अद्भुत रचा था। महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित दिव्यांगों के कैंप में भावेश जी ने मोमबत्ती बनाने का हुनर सीखा था। वह बचपन से ही आर्ट एंड क्राफ्ट में बेहद कुशल थे। माता-पिता जी की मृत्यु के बाद वह मोमबत्तियां बनाकर महाबलेश्वर की एक सड़क पर बैठकर उन्हें बेचा करते थे। वहीं पर उनकी मुलाकात श्रीमती नीता जी से हुई जो न केवल भविष्य में जाकर उनकी जीवनसाथी बनी परंतु उनके उद्देश्य को पूरा करने कि सहभागी भी बनी। अब भावेश जी मोमबत्ती बनाते और नीता जी उन्हें बाजार में बेचने जाया करती। उनके हौसले बुलंद थे। उन्होंने धीरे-धीरे अन्य दृष्टिहीन लोगों को अपने साथ जोड़ा एवं अपनी टीम बनाते चले गए। धीरे-धीरे उन्होंने लोन लिया एवं अपने काम को बढ़ाना शुरू कर दिया। मात्र पन्दह हजार के लोन से शुरू कीया गया व्यापार सनराइज कैंडल्स जल्दी ही मल्टी करोड़ कंपनी बन गया। आज उनका देश-विदेश सभी जगह माल जाता है। उनके साथ 12000 दृष्टिहीन लोग जुड़े हुए हैं जिन्हें उन्होंने रोजगार दिया है।

SSS EVENT

Beyond the Rivers: Time to Rethink the Indus Waters Treaty

A thought-provoking seminar hosted by Swadeshi Shodh Sansthan on 10 July 2025
Organised by: Swadeshi Shodh Sansthan
Keynote Speaker: Shri Sanjay Kundu (Former DGP, Himachal Pradesh | Chairman, Brahmaputra Board | DG, NWDA)
Seminar Highlights:

- India's minimal use (16%) of its water contributions under the IWT
- Disproportionate benefits to Pakistan (84%)
- Strategic roadmap for India's water sovereignty
- Need to revisit treaty clauses that restrict Bharat's rights

स्वदेशी विचार

~मदन मोहन मालवीय

"स्वदेशी अपनाना राष्ट्र सेवा है। यह केवल विकल्प नही, कर्तव्य है।"

Our Social Media:

Editorial Board

Chief Editor : Prof. Raj K Mittal
Editor : Prof. Sunita Bharatwal
Co-Editor : Dr. Shabana
Section Editor : Ms. Urshita Bansal
Technical & Design :Mr. Vaibhav Pandey